



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 61]

नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 7, 2001/माघ 18, 1922

No. 61]

NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 7, 2001/MAGHA 18, 1922

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 2001

सा.का.नि. 77(अ).—भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खण्ड-3, उपखण्ड(i) तारीख 10-11-2000 को प्रकाशित, भारत सरकार के सूचना और प्रसारण मंत्रालय की अधिसूचना सं. सा. का. नि. 863(अ) के पृष्ठ-2 पर—

- (1) पंक्ति सं. 25 में, "केन्द्रीय" के स्थान पर "केन्द्रीय सेवा" पढ़ें,
- (2) पंक्ति सं. 26 में, "और" के स्थान पर "या" पढ़ें।

[फा. सं. 12018/9/2000-बी(ए)]

राकेश मोहन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

CORRIGENDA

New Delhi, the 7th February, 2001

G.S.R. 77(E).—In the notification of the Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting number G S.R. 863(E), published in the Gazette of India, Extraordinary, Part-II, Section-3, Sub-section(i), dated the 10th November, 2000, at page 5,—

- (i) in line 8, for "Central", read "Central Service";
- (ii) in line 9, for "eligible", read "entitled";
- (iii) in line 10, for "and", read "or"

[F No. 12018/9/2000-B(A)]

RAKESH MOHAN, Jt. Secy.

